>

Title: Need to conduct an inquiry into the works undertaken by N.B.C.C. in border fencing along Indo-Bangladesh Border.

श्री चन्द्र शेखर दूबे (धनबाद) : मैं इस सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए बताना चाहता हूँ कि आज पूरा विश्व जब आतंकवादी गतिविधियों से त्रस्त है ऐसे में भारत भी इससे अछूता नहीं रहा है। चाहे उत्तर पूर्व हो या पश्चिमी भारत, देश का कोई भी हिस्सा इससे अछूता नहीं है, इसका जीवन्त उदाहरण मैं सदन में कह रहा हूँ कि किस तरह एन0 वी0सी0सी0 ने भारत के अभिन्न अंग आसाम राज्य की अति उपजाऊ भूमि को बॉर्डर फेन्सिंग की शून्य रेखा के अन्दर 137 से 900 मीटर के कार्य करते हुए बांग्लादेश को दी है जिसका विवरण इस प्रकार है - धुबरी और करीमगंज के उपजाऊ हिस्से वाली जमीन को छोड़ते हुए तीसरे चरण की बॉर्डर फेन्सिंग करते हुए यह गंभीर अनियमितता की गई है।। उपायुक्त धुबरी एवं करीमगंज द्वारा दिनांक मार्च 13, 2007 को गृह मंत्रालय को सूचित करने के बाद भी आज तक कोइ कार्यवाही नहीं की गई है।

आज जब भारत सरकार चीन द्वारा भारतीय भूमि का कब्जा नहीं ले पाया है, एन0वी0सी0सी0 के अधिकारियों ने भारत सरकार के लिए एक नया सिरदर्द खड़ा कर दिया है। इससे ना केवल आसाम के लोगों का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है, बल्कि अपने पड़ोसी देश जैसे बांग्लादेश से संबंध खराब होंगे इसके अलावा समय-समय पर कार्य करने के गुणवत्ता, सरकारी नियमों के विरूद्ध कार्यों का आवंटन आदि में की गई गंभीर अनियमितताओं के बारे में समाचार पत्र एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया काफी कुछ लिख एवं दिखा चुकी है।

अतः निवेदन करता हूँ कि इसकी गंभीरता को देखते हुए, सदन इसे संज्ञान में लेकर उचित कार्यवाही कराई जाए।